License Information

Study Notes (Biblica) (Hindi) is based on: Biblica Study Notes, Biblica Inc., 2023, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Study Notes (Biblica)

आमोस 1:1–2:16

आमोस ने न्याय के संदेश उत्तरी राज्य के चारों ओर की जातियों के बारे में बोले।

संदेशों को कविताओं के रूप में दर्ज किया गया था। वे दमिश्क के अरामी, पलिश्ती और सोर के लोगों के बारे में थे।

वे एदोमियों, अम्मोनियों, मोआबियों और दक्षिणी राज्य के लोगों के बारे में थे।

इन लोगों के समूहों की भूमि एक वृत्त में स्थित थी। उत्तरी राज्य इस वृत्त के केंद्र में था।

फिर आमोस ने उत्तरी राज्य के खिलाफ भी परमेश्वर द्वारा न्याय लाने के बारे में बात की।

आमोस 3:1–6:14

उत्तरी राज्य के लोगों और अगुवों ने लोगों के साथ बुरा व्यवहार किया। यह मुख्य पाप था जिसके बारे में आमोस ने कहा है। जब राजा यारोबाम द्वितीय उत्तरी राज्य पर शासन कर रहे थे, तब लोगों के साथ बुरा व्यवहार करना बहुत आम था।

इस राजा ने प्रथम यारोबाम राजा के शासन के कई वर्षों बाद शासन किया। आमोस के समय में, यारोबाम की सेना ने उनके आसपास की जातियों पर बहुत विजय प्राप्त की थी। उत्तरी राज्य बड़ा हो गया था और कई लोग धनी हो गए थे। वे घमंड से भर गए थे। उन्होंने लोगों के साथ कई तरीकों से बुरा व्यवहार किया।

उन्होंने भविष्यद्वक्ताओं को परमेश्वर के संदेश बांटने से रोका। उन्होंने नाज़ीर लोगों को परमेश्वर से किए गए वादों को निभाने से रोका। पुरुषों ने लड़कियों के साथ और उनके खिलाफ यौन पाप किए। लोग और अगुवे चीजें चुराने लगे। उन्होंने अपने लिए अधिकाधिक चीजें जमा कर लीं। उन्होंने ऐसा तब भी किया जब कुछ लोगों के पास पर्याप्त नहीं था।

जो धनी थे, उन्होंने जरूरतमंद लोगों का फायदा उठाया। उन्होंने अनुचित मूल्यों को रखा जो गरीब लोग नहीं चुका सकते थे। फिर जब गरीब लोग अपने कर्ज नहीं चुका पाए, तो उन्होंने उन्हें गुलाम बना लिया। जो धनी थे, उन्होंने गरीब लोगों को न्यायालय में उनके अधिकार नहीं दिए। वे धनी और आरामदायक जीवन जीने की परवाह करते थे। उन्हें न्याय या दूसरों के प्रति भलाई करने की परवाह नहीं थी।

इससे यह पता चला कि वे पूरे हृदय से परमेश्वर की आराधना और आज्ञा का पालन नहीं कर रहे थे। वे परमेश्वर की आराधना का दिखावा कर रहे थे। उन्होंने मूसा की व्यवस्था में वर्णित कुछ बलिदानों और भेंटों को अर्पित किया। उन्होंने सीनै पर्वत की वाचा में वर्णित कुछ पर्वों को मनाया। लेकिन उन्होंने दूसरों के साथ व्यवहार करने के परमेश्वर के नियमों का पालन नहीं किया।

इसके बारे में मुख्य व्यवस्था का उल्लेख लैव्यव्यवस्था 19:18 में किया गया था। इसमें कहा गया था कि परमेश्वर की प्रजा को अपने पड़ोसियों से वैसे ही प्रेम करना चाहिए जैसे वे स्वयं से करते हैं। और उत्तरी राज्य के लोग और अगुवे एकमात्र परमेश्वर की आराधना नहीं करते थे। वे बेतेल शहर में धातु से बनाये बछड़ों की मूर्तियों की उपासना वेदी पर करते थे। लोग और अगुवे बाल की भी जो सामरिया के मन्दिर में था उपासना करते थे।

परमेश्वर ने उत्तरी राज्य में कुछ वाचा के श्रापों को आने की अनुमति दी थी। उन्होंने ऐसा इसलिए किया ताकि वे अपने पापों से मुड़कर वापस आ सकें। परमेश्वर चाहते थे कि उनके लोग दूसरों के साथ न्याय करें और सही काम करें। लेकिन लोगों ने पश्चाताप करने और परमेश्वर की ओर लौटने से इनकार कर दिया। इससे परमेश्वर बहुत क्रोधित हो गए। आमोस ने परमेश्वर के क्रोध को सिंह की गर्जना की तरह वर्णित किया।

आमोस 7:1–9:15

परमेश्वर ने आमोस को याकूब के लोगों के विरुद्ध न्याय लाने के बारे में चार दर्शन दिए।

पहले दो दर्शन के बाद, आमोस ने प्रार्थना की और परमेश्वर से अपनी प्रजा को क्षमा करने के लिए कहा। परमेश्वर ने दया और करुणा दिखाई और उन्हें नाश न करने का निर्णय लिया।

लेकिन ऐसा तीसरे और चौथे दर्शन के बाद नहीं हुआ। उन दर्शनों के बाद परमेश्वर ने कहा कि वे अब अपने लोगों को नहीं बचायेंगे। इसका मतलब था कि परमेश्वर उत्तरी राज्य के बुरे कार्यों को रोक देंगे। वे अपने लोगों के खिलाफ न्याय लाकर उन्हें रोकेंगे। जहां वे झूठे देवताओं की पूजा करते थे, वे स्थान नष्ट कर दिए जाएंगे। राजा और उसके परिवार को मार दिया जाएगा। लोगों को अपनी भूमि छोड़ने और बंधुवाई में रहने के लिए मजबूर किया जाएगा। यह वाचा के श्रापों में सबसे बुरा था।

आमोस इस संदेश की घोषणा करते रहे, और बेतेल में एक याजक ने उन्हें रोकने की कोशिश भी की। आमोस ने कहा था कि यह न्याय प्रभु के दिन आएगा। आमोस ने उस न्याय के समय का वर्णन करने के लिए अंतकालीन की लेखन शैली का उपयोग किया।

आमोस *7:1–9:15*

उत्तरी राज्य के लिए, प्रभु का दिन 722 ईसा पूर्व में आया। आमोस की भविष्यद्वाणी सच हुईं जब अश्शूर ने उत्तरी राज्य पर नियंत्रण कर लिया।

आमोस ने आशा का एक संदेश दिया। परमेश्वर ने वादा किया कि वे उत्तरी राज्य के सभी लोगों को नष्ट नहीं करेंगे। उन्होंने दाऊद के गिरे हुए आश्रय को फिर से स्थापित करने का वादा किया। यह परमेश्वर की दाऊद के साथ वाचा के बारे में बात करने का एक तरीका था। इसका अर्थ था कि दाऊद के वंश से कोई फिर से राजा के रूप में शासन करेगा। एदोम के लोग और सभी राष्ट्र परमेश्वर के लोगों का हिस्सा होंगे। परमेश्वर के लोग वाचा की आशीषों का आनंद लेंगे।

यहूदी इस आशा के संदेश को मसीहा के बारे में एक भविष्यद्वाणी के रूप में समझने लगे। नए नियम के लेखकों यह समझ में आ गया कि यीशु ही मसीहा हैं।